TRUTH
BY VIVEK KUMAR

यह पुस्तक **Truth** भारतीय संविधान के अंतर्गत मूलभूत कर्तव्य अनुच्छेद **51A[H]** तथा मूलभूत अधिकार अनुच्छेद **19 1(A)** के अंतर्गत वाणी तथा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के संवैधानिक दायरे में रहते हुए समाज में फैले हुए अंधविश्वास, पाखंड, कुरीतियों भेदभाव, छुआछूत तथा जातिवाद के प्रति लोगों को तार्किक और वैज्ञानिक सोच के अनुसार जागरूक करने का प्रयास करता है

अस्वीकरण

इस पुस्तक को लिखने का मेरा उद्देश्य किसी भी जाति, मजहब, धर्म, वर्ग, समुदाय आदि की भावनाओं को ठेस पहुंचाना नहीं है बल्कि समाज में तार्किकता और वैज्ञानिक सोच को बढ़ाना है

इस पुस्तक में लेखक के अपने विचार व्यक्त किए गए हैं इसका किसी भी चर्चा या व्यक्ति से कोई भी संबंध नहीं है

यदि इस पुस्तक को पढ़कर आपकी भावनाएं आहत होती है तो कृपया इस पुस्तक को ना पड़े

धन्यवाद…

मैं नादान जो वफ़ा को तलाशता रहा...
ये भी ना सोचा कि एक दिन अपनी ही सांस
बेवफा हो जायेगी..

भगवान

प्रेम

1.प्रेम क्या है?
2.क्या तुम सुंदर लड़की के प्रति आकर्षित होते हो?
3.क्या पूरा दिन लड़कियों के बारे में सोचते रहते हो?
4.प्यार एक कहानी

1.ईश्वर है या नहीं

एक अजीब सा सवाल मुझसे बहुत बार पूछा जाता है कि आप लोग भगवान के अस्तित्व को लेकर इतना बहस क्यों करते हो

आपके पास भगवान के ना होने का सबूत क्या है ?

महान दार्शनिक ओशो ने कहा है कि तुम चीजों को मानना मत तुम चीजों को जानना

अगर मैं कहूं कि मेरे घर के पीछे रात में परियां आती हैं और उनके पंखे लगे हुए हैं जो उड़ती भी है पर वह परिया किसी को दिखाई नहीं देती हैं अब मैं आपसे कहूं कि इस बात को आप झूठ साबित करके दिखाओ तो आप कहेंगे यह क्या बकवास कर रहे हो

दावा तो आपने किया है तो साबित भी आपको ही करना पड़ेगा

किसी चीज का सबूत उसके दावा करने वाले को देना होता है
इस बात को मैं आपको Bertrand Russell की केतली नामक कहानी से समझाने का प्रयास करता हूं

रसल के अनुसार अगर मैं कहूं कि सूर्य तथा पृथ्वी के बीच में एक चाय की केतली अंडाकार कक्षा में सूर्य का चक्कर लगा रही है तो कोई भी इस कथन को झूठ सिद्ध नहीं कर सकता अगर मैं साथ में यह भी जोड़ दूं कि वह केतली इतनी छोटी है कि किसी दूरबीन से भी नहीं देखी जा सकती है

अब मैं आपसे कहूं कि इसे झूठ साबित करके दिखाओ तो आप कहेंगे क्या बकवास कर रहे हो

किसी भी पक्ष में प्रमाण देने का दायित्व दावा करने वाले का होता है ना कि सवाल करने वाले का

अगर मैं कहता हूं कि मैं जंगल गया था और वहां मैंने एक गुलाबी रंग का घोड़ा देखा जिसके सिंग और पंख भी थे तो अब मैं आप से बोलूं कि इस कथन को झूठ साबित करके दिखाओ तो आप फिर कहेंगे यह क्या बकवास कर रहे हो आप

तो इन सब बातों को आप कैसे झूठ साबित करेंगे आप कहेंगे की दावा तो आप कर रहे हैं तो सबूत भी आपको ही देना पड़ेगा

इसी प्रकार ईश्वर के होने का सबूत देना तर्कशील व्यक्ति का दायित्व नहीं है यह दायित्व उसका है जो उसके पक्ष में दावा कर रहा है

आज इस सवाल का उत्तर देने का मैं प्रयास करता हूं कि भगवान के ना होने को सबूत क्या है ?

भगवान में कई विरोधाभास बातें हैं जो यह सिद्ध करती है कि किसी भी भगवान का अस्तित्व नहीं है

हमने सुना है कि भगवान सर्वज्ञ तथा सर्वशक्तिमान, न्याय सील तथा दयालु है

यदि भगवान को पता है कि कल तूफान आएगा और उस तूफान को ईश्वर टाल देता है तो भगवान सर्वज्ञ नहीं है और यदि ईश्वर तूफान को नहीं टाल सकता तो वह सर्वशक्तिमान नहीं है

अधिकतर धर्मों में भाग्य का सिद्धांत पाया जाता है ईश्वर ने सब कुछ पहले से तय कर दिया है कि कैसे जन्म मिलेगा कैसे कोई तरक्की करेगा और कैसे उसका अंत हो जाएगा

ईश्वर ने सभी का भाग्य पहले से तय कर दिया है और लगभग सभी धर्मों में यह मान्यता है कि ईश्वर न्याय शील है मनुष्य के किए हुए अच्छे या बुरे कर्मों का फल उसे स्वर्ग या नर्क में दिया जाता है

अब आप एक कल्पना कीजिए

ईश्वर ने चिंटू के भाग्य में लिखा कि वह पिंटू के हाथों से मरेगा पिंटू तथा चिंटू में एक दिन लड़ाई हो गई पिंटू ने चिंटू की हत्या कर दी अब आप बताइए क्या पिंटू इस हत्या का जिम्मेदार होगा क्योंकि उसने तो सिर्फ ईश्वर की इच्छा का पालन किया था
क्या पिंटू के पास चिंटू को मारने के अलावा कोई अन्य रास्ता था

जरा सोचिए कि ईश्वर पहले तो आपके भाग्य में बुरे कर्म लिखता है फिर उसी बुरे कर्मों की सजा आपको नर्क में देता है
ईश्वर पहले आपके भाग्य में बुरे कर्म लिखता है फिर उस बुरे कर्म की सजा आपको नर्क में डाल कर देता है क्या ऐसे किसी ईश्वर को हम न्याय सील ईश्वर कह सकते हैं ???

यदि ईश्वर को पहले से पता था कि मैं बड़ा होकर नास्तिक बनूंगा और उसके अस्तित्व पर सवाल करूंगा तो क्या ईश्वर ने मुझे नर्क में झोंकने के लिए पैदा किया है ??

हम मनुष्य न्याय में विश्वास तो करते हैं परंतु ईश्वर के न्याय में हमें कोई भी विश्वास नहीं है
अगर मनुष्य ईश्वर के न्याय के भरोसे ही सब कुछ करने लग जाए तो इस दुनिया में हाय तौबा मच जाएगी तब कोई भी व्यक्ति अपने बुरे कर्मों को ईश्वर पर डाल सकता है

तब तो कोई भी बलात्कारी यह बोल सकता है कि यह घटना तो मेरी और उस स्त्री की किस्मत में लिखी थी इसमें मेरा कोई दोष नहीं है

इस दुनिया में कोई भी न्याय प्रिय ईश्वर नहीं है इसका सबसे बड़ा सबूत यह है कि मनुष्य शुरुआत से ही न्याय की व्यवस्था करते आया है इस दुनिया में

न्यायालय का होना ही यही सबूत है कि कोई न्याय प्रिय ईश्वर नहीं है

अपने जीवन के अनुभवों से समझने का प्रयास करिए
5 तथा 6 साल के बच्चों को कैंसर जैसी गंभीर बीमारी हो जाती है

क्या इसका जिम्मेदार ईश्वर है?

क्या ईश्वर उनसे प्रेम नहीं करता ? यहां बच्चों के साथ दुष्कर्म हो जाता है क्या ईश्वर उनसे प्रेम नहीं करता?

यदि ईश्वर ने इन सब के भाग्य को लिखा है अगर हां तो क्या ईश्वर चाहता है कि इनको असहनीय पीड़ा हो

अगर किसी ईश्वर ने मनुष्य को आजाद छोड़ दिया है कि जो मन में आए वह करो तुम्हें इसकी सजा दूसरे

जन्म में मिल जाएगी तो ऐसे ईश्वर को हम अच्छा कैसे बोल सकते हैं क्यों ऐसे ईश्वर की बात माने तथा उसकी खुशामद करें जिसे कुछ करना ही नहीं है सब कुछ पहले से ही निर्धारित कर दिया है तो हम ऐसे ईश्वर की पूजा अर्चना क्यों करें

लोग सबूत नहीं देते बस यह मानते हैं कि ईश्वर है पर मानने से तो केवल भ्रम पैदा होता है मान लेने से क्या सब कुछ हो जाता है

सवाल तो बहुत है पर उसके उत्तर बहुत कम है

2. क्या ईश्वर दयालु है**?**

यदि इस संसार को किसी बुद्धिमान ईश्वर ने बनाया है तो उसको दयालु अवश्य होना चाहिए नहीं तो उसके होने का कोई अर्थ नहीं है

आइए यह समझने का प्रयास करते हैं कि क्या कोई दयालु ईश्वर है?

क्या उसकी दयालुता इस संसार पर नजर आती है ?

इस धरती का इतिहास हम जब हम खगालते हैं तो यह पाते हैं कि हजारों सालों पहले अजीब ढंग के जानवर के अवशेष प्राप्त होते हैं करीब 6 करोड़ साल पहले इस धरती पर डायनासोर राज करते थे और 16 करोड़ साल तक राज करते रहे फिर उनका एक दिन अचानक सामूहिक विनाश हो गया

आखिर इतने हजारों सालों तक डायनासोर यह क्या कर रहे थे क्या ईश्वर को उनकी रचना करने के पीछे कोई प्रयोजन था?
यदि हम मानते हैं कि किसी बुद्धिमान ने इस संसार की रचना की है तो वह ऐसे जीवो को क्यों बनाया जो यहां हजारों सालों तक राज करते रहे फिर अचानक नष्ट हो गए ऐसे जीवो को बनाने के पीछे उसका उद्देश्य क्या था

हजारों साल पाश्चात्य मानव का जन्म हुआ फिर मानव का प्रकृति से संघर्ष करना फिर उनकी आपस मैं कबीलों की लड़ाइयां फिर धर्मों के नाम पर लड़ाईया जो उस ईश्वर के नाम पर लड़ी गई

अगर हम पृथ्वी का इतिहास देखते हैं तो यह एक नाटक की तरह प्रतीत होता है जिसमें हर बार एक शक्तिशाली के कदमों के नीचे निर्बल को रौंदा गया

आप कल्पना कीजिए

ईश्वर ने मनुष्य को एक खेत रुपी संसार में फेंक दिया है जहां पर उसने भी विषैली झाड़ियां तथा हजारों खतरनाक जीव जंतु विषैले सांप को भी छोड़ रखा है और हमें यह भी नहीं बताया कि तुम्हारे लिए क्या अच्छा और क्या बुरा है

वहां परमेश्वर पिता यह भी नहीं बताता कि कौन सा पौधा तुम्हारी जान लेगा और किससे तुम्हें आराम मिलेगा क्या ऐसे किसी ईश्वर को दयालु बोल सकते हैं

मनुष्य के इतिहास में ऐसी भयानक बीमारियां हुई है जिससे लाखों लोग मर गए पर मनुष्य फिर भी मानता है कि कोई दयालु ईश्वर है

इतिहास में नरसंहार हुए लाखो लोग मारे काटे गए खून खराबा हुआ उस के धर्म के नाम पर पर लोग मानते हैं कि ईश्वर दयालु है

इस संसार में अलग-अलग धर्मों का होना ही यह प्रमाण है कि ईश्वर नहीं है

3.प्राथना का क्या अर्थ है**?**

हमारे पैदा होते ही हमें स्कूलों में, घरों में प्रार्थना करना सिखाया जाता है और यह विश्वास दिलाया जाता है कि कोई ऊपर वाला है जो हमारी प्रार्थनाएं सुनता है तथा हमारे द्‌वारा की गई प्रार्थनाएं चमत्कारिक रूप की तरह काम करती हैं फिर यही बात हमें बड़े होने पर समाज, टीवी, सीरियल्स बताते हैं फिल्मों में तो प्रार्थना से बड़े-बड़े रोग ठीक हो जाया करते हैं पर आपको भी पता है यह सब फिल्मों में होता है असल जिंदगी में नहीं….

हम पेपर देने जाते हैं खुद पर विश्वास ना होते हुए भी हम पेपर देकर आते हैं और प्रार्थना करते हैं अच्छे नंबर प्राप्त हो और यदि पेपर में हमें अच्छे नंबर प्राप्त हो जाते हैं तो इसका श्रेय हम ईश्वर को देते हैं परंतु आपने उत्तर सही दिया था पर आपको खुद पर विश्वास नहीं था
इसका मतलब यह नहीं कि भगवान ने आपकी कापी लिख दी थी

पानी में डूबते हुए जहाज तथा प्लेन क्रैश होने पर लोग प्रार्थनाएं करते हैं पर आपको भी पता है उनमें से कितने बच पाते हैं

मेरे एक मित्र ने मुझसे पूछा कि मैं जब भी प्रार्थना करता हूं तो वह प्रार्थना सफल हो जाती है अगर कोई भी ऊपर नहीं है तो मेरी प्रार्थना सफल कैसे हो जाती है

आइए प्रार्थनाओं का विज्ञान समझते हैं

आपने **Placebo Effect** का नाम सुना होगा इसमें व्यक्ति को लगता है कि वह बीमार है परंतु वह असल में बीमार नहीं होता है वह डॉक्टर के पास जाता है और डॉक्टर उसे कोई मीठी गोली देता है और उसे बोलता है तुम इसको खाकर ठीक हो जाओगे वह उस गोली को खाता है और फिर वह ठीक हो जाता है

इसी तरह हमें लगता है कि हम बीमार हैं और पंडित ,ओझा के पास जाते हैं वह पंडा आपको मंत्र पढ़कर आपके ऊपर पानी छिड़क देता है और आप खुद को ठीक महसूस करने लगते हैं

प्रार्थना में संभावना होती है या तो ठीक होगा या नहीं अगर वह ठीक हो जाता है तो वह ढिंढोरा पीटता है कि मैंने वहां झाड़ा लगवाया है और जिस को आराम नहीं मिलता वह दूसरे के पास जाता है

जब उसे अंततः कहीं भी आराम नहीं मिलता तब वह मान लेता है कि होनी को कौन टाल सकता है जो होना है वह तो होगा ही

अब आप यह बताएं कि जब होनी को कोई टाल नहीं सकता तो फिर प्रार्थना और दुआओं का क्या मतलब?
फिर कुछ लोग बोलते हैं प्रार्थना करने की शर्त होती है
इसे सच्चे मन से की जाती है और जब प्रार्थना से भी कुछ नहीं होता तो व्यक्ति मान लेता है कि इसमें उसका ही दोष है क्योंकि उसने सच्चे मन से प्रार्थना नहीं की

आइए कहानी के माध्यम से समझते हैं

एक व्यक्ति की 2 बेटियां थी दोनों की शादी उसने कुछ दूर पास पास के गांव में कर दी 1 दिन व्यक्ति तीर्थ करने के लिए निकला छोटी बेटी के घर पहुंचा और बेटी से बोला तीर्थ करने को जा रहा हूं कुछ

प्रार्थना करनी हो तो बता दो मैं कर लूंगा छोटी बेटी ने कहा पिताजी मैं मिट्‌टी के बर्तन बना रही हूं आप प्रार्थना करो कि 2 हफ्ते तक बारिश ना हो जिससे सारे बर्तन सूख जाए फिर वह आगे बढ़ चला और बड़ी बेटी के यहां पहुंचा बड़ी बेटी से बोला मैं तीर्थ के लिए जा रहा हूं तेरी कोई प्रार्थना हो तो बता दे मैं कर दूंगा तो बड़ी बेटी ने कहा पिताजी मेरी फसल पानी ना मिलने के कारण नष्ट होती जा रही है आप प्रार्थना कीजिए कि जल्द से जल्द बारिश हो जाए जिससे मेरी फसल नष्ट होने से बच जाए अब आप यह बताएं

वह व्यक्ति प्रार्थना किस बेटी के लिए करें

इसी प्रकार संसार में एक दूसरे के प्रति विपरीत प्रार्थना चल रही है

डॉक्टर सोचता है मेरा धंधा चले जिससे उसके बच्चों को रोटी प्राप्त हो सके और वह इसके लिए प्रार्थना

भी करता है लोग प्रार्थना करते हैं कि वह बीमार ना पड़े जिससे उनका खर्चा कम हो

4.धर्म और विज्ञान

अक्सर कुछ लोग यह तर्क देते हैं कि विज्ञान अभी कुछ नहीं जानता धर्म ग्रंथों से परे उसका ज्ञान भी कुछ नहीं है विज्ञान यह नहीं जानता ब्रह्मांड के परे क्या है उसे नहीं पता कि किसी और ग्रह पर जीवन है या नहीं विज्ञान कभी भी आज तक पृथ्वी के जैसे ग्रह तक नहीं पहुंच पाया विज्ञान नहीं बता पाता कि बिगबैंक कैसे हुआ यह बात पूरी तरीके से सच है कि विज्ञान ने बहुत कुछ जान लिया है पर अभी बहुत कुछ जानना बाकी है अगर विज्ञान यह नहीं जानता

कि पृथ्वी के परे क्या है तो आप ही बता दीजिए कि पृथ्वी के परे क्या है तो फिर इनका यही उत्तर होता है कि सब भगवान जानते हैं फिर जब पूछा जाता हैं कि ऐसा किसने कहा तो बता देते हैं कि यह सब हमारे ग्रंथों शास्त्रों में लिखा गया है फिर जब हम कहते हैं कि शास्त्रों पर यकीन हम कैसे करें तो वह बोलते हैं कि यह तो भगवान ने स्वयं लिखा है

हम यह कैसे कह सकते हैं धार्मिक किताबें धरती पर भेजी हैं और वह किताबें पूर्ण रूप से सत्य हैं
पहले के लोग यह समझते थे कि बारिश होना किसी देवता के नाराज होने का परिणाम है परंतु आज हम जानते हैं कि बारिश क्यों होती है आज आप किसी बच्चे को बताएंगे कि बारिश इंद्र के नाराज होने से होती है तो वह आप पर हंसेगा
बारिश का होना आज के एनसीईआरटी किताबों में बताया गया कि वह कैसे होती है दुनिया में ऐसी बहुत सी घटनाएं थी जिसको लेकर यह बोला जाता था कि इसके बारे में सिर्फ भगवान जानता है पर

आज हम विज्ञान के माध्यम से यह सभी बातों को जानते हैं

शरीर में होने वाली बीमारी चिकन पॉक्स को हम माता का प्रकोप समझकर झाड़-फूंक कराते हैं तथा माता को क्रोधित हो जाना समझते हैं पर हमें नहीं पता कि चिकन पॉक्स को हमारा इम्यून सिस्टम खुद ही ठीक कर देता है कुछ दिनों में फिर हम समझने की माता ने ठीक कर दिया
यह हमारी अज्ञानता ही है

आज विज्ञान ने हमें कई सवालों के जवाब दे दिया है और कई सवालों के जवाब के निकट पहुंचा दिया है पर जिन सवालों के उत्तर नहीं मिले इससे यह सिद्ध नहीं हो जाता है कि इन सब के पीछे किसी ईश्वर का हाथ है

5.क्या शरीर में देवी आती है**?**

हम सभी ने कभी न कभी एक ऐसी घटना देखी होती है जिसमें कोई व्यक्ति असाधारण हरकत या फिर सिर घुमाने लग जाता है अजीब तरह से बोलने लग

जाता है तब उसके बारे में कहा जाता है कि उसमें देवी आ गई हैं यह घटना गांव में आम बात हो गई है कुछ औरतें सर घुमाने तथा अजीब तरीके से बोलने लग जाती हैं

गांव में माता ,देवी, भूत आदि आना लोगों में आम बात हो गई आपको अक्सर माता की चौकी में, जागरण में कुछ महिलाएं सर हिलाते हुए दिख जाएंगी
और कुछ जगहों के बारे में भी हमने बहुत कुछ सुना होता है कि जिनमें भूत, प्रेत होता है वह वहां जाते ही उछलने कूदने लग जाते हैं इतना सब कुछ देखने और सुनने के बाद हमारा मन यह मानने लगता है कि कहीं ना कहीं कुछ तो है भूत प्रेत जिन्न माता देवी आदि

आइए समझते हैं कि इसकी असल वजह क्या है यह सब क्यों होता है ?

लोगों ने माता या देवी आना या ऊपरी हवा का चक्कर होना आइए इसको को समझते हैं

2007 में आई एक भूल भुलैया फिल्म को तो आपने देखा ही होगा यह कुछ उसी तरीके से संबंधित है

यह एक ऐसी मानसिक बीमारी है जिसमें एक व्यक्ति अपने ही अंदर अलग-अलग पर्सनैलिटी रखता है इसके होने के कई कारण हो सकते हैं
 जैसे कि बचपन में मानसिक परेशानियां, अकेलापन, परिवार या आसपास के लोगों का बुरा व्यवहार

 तो ऐसे में लोग कल्पना में जीने लग जाते हैं फिर वो ऐसे किरदार में जीने लगते हैं जो काल्पनिक है यह कोई फिल्मी बात नहीं है हकीकत में भी ऐसा ही होता है

अक्सर मानसिक बीमारियों का लक्षण देख माता-पिता भूत, प्रेत आदि का आना समझ लेते हैं

फिर उसे तुरंत तांत्रिक के पास ले जाया जाता है फिर भूत को भगाने के नाम पर तांत्रिकों के द्वारा आर्थिक व शारीरिक शोषण चालू होता है

कुछ मानसिक रोगों के बारे में चर्चा करते हैं

Acute psychosis - इस बीमारी में व्यक्ति सर घुमाता है और दूसरों पर शक करता है अजीब सा व्यवहार करता है तथा अपने चरित्र को छोड़कर अन्य चरित्र को धारण कर लेता है

DID-Dissociative Identity Disorder

पर्सनल जिंदगी को छोड़कर किसी मृत या काल्पनिक व्यक्ति के जीवन को खुद में धारण कर लेना तथा उसके हाव-भाव विचार को अपने में तब्दील कर लेना खुद से ही बातें करना तथा उसकी तरह आवाज निकालना आदि किसी दूसरे के चरित्र में प्रवेश कर जाना तथा स्वभाव में बदलाव आना

ज्यादा बोलना डिप्रेशन में होना किसी काम में मन नहीं लगना, अपने आप को सबसे बड़ा बताना, सम्मान पाने के लिए कुछ अलग कार्य करना अपने में खोए रहना ,अकेले रहने को जी करना , खुद से बातें करना

Schizophrenia- इस बीमारी में अजीब तरीके से हंसना, खुद से बातें करना तथा अपने को दूसरे चरित्र में डाल देना

वैसे आपको इस विषय पर ढेरों सारी फिल्में मिल जाएंगी इन बीमारियों के बारे में बहुत से पढ़े लिखे लोग भी नहीं जानते तो सोचिए हमारे गांव के लोग क्या जानते होंगे

आपने अक्सर गौर किया होगा कि जितनी भी जिन, माता, देवी आदि आती है वह सब अधिकतर महिलाओं में आते हैं इसका कारण हमें समझना चाहिए

आइए समझते हैं.....

अधिकतर भारतीय महिलाएं ऐसी समाज में जी रही हैं जहां उनको दबाया जाता है उनकी इच्छा नहीं पूछी जाती उनकी पसंद नापसंद को कोई वैल्यू नहीं दी जाती यहां तक कि उसके कपड़े से लेकर उसके पति तक को चुनने में उसकी इच्छा नहीं पूछी जाती

बचपन से लेकर शादी तक माता-पिता उसकी इच्छा नहीं पूछते उसको बाहर घूमने नहीं दिया जाता किसी प्रकार की आजादी नहीं दी जाती फिर जब उसकी शादी हो जाती है तो ससुराल वाले अपनी इच्छाएं तथा जिम्मेदारी उस पर थोपते हैं कभी-कभी उसके बच्चे भी यही व्यवहार उसके साथ कर जाते हैं उसकी इच्छाओं का दमन उसे मानसिक रोगी बना देते हैं फिर अंत में देवी या माता को अत्याचार व शोषण के खिलाफ आवाज उठाने वाली बनकर बाहर आती है

भारतीय समाज में महिला को कभी वो मुकाम हासिल नहीं हुआ जहां उससे उसकी खुशियां, तकलीफ पूछी जाती है ऐसे में वह अपने तनाव के साथ ही खुद को व्यवस्थित कर लेती है और हमारा समाज यह कभी भी समझ नहीं पाता कि यह दशा उसके ऐसा व्यवहार करने से ही हुई है
कभी उस महिला की कोई नहीं सुनता कभी परिवार में उसको इतनी इज्जत नहीं मिली लेकिन माता आने के बाद सब उसके सामने हाथ जोड़ कर बैठ जाते हैं जिसे सब मारते पीटते रहे आप शब्द बोलते रहे
फिर माता आने के बाद सब उस महिला का सम्मान करते हैं तथा उसकी आज्ञा पूछते हैं

शुरू में ऐसा लग सकता है कि यह अपने आप हो रहा है

तीन से चार बार ऐसा होने पर उसे समझ में आ जाता है कि उसका देवी आने पर उसका नियंत्रण है कि वह जब चाहे तब देवी को अपने सर ला सकती है

फिर परिस्थिति के हिसाब से देवी आने लग जाती है फिर उसके पति या महिला को तांत्रिक के पास ले जाने से उन्हें समर्थन मिल जाता है वहां एक खास किस्म का संगीत, रोशनी या अगरबत्ती का तेज खुशबू तथा तांत्रिक का बार-बार उस पर्सनैलिटी को बुलाना देवी माता के आने की रट लगाए रहना

इससे वह पर्सनैलिटी उस पर हावी हो जाती है यह एक मानसिक बीमारी है इस पर कभी-कभी इस पर मनोविज्ञान भी काम कर जाता है इससे परिवार वालों को लगता है कि पंडा ने भूत उतार दिया है

जब यह तरीका काम नहीं करता तो उसे दूसरे पंडा के पास ले जाया जाता है हालांकि इससे उसको थोड़ी बहुत राहत मिलती है पर उसके मन का तनाव अभी भी कम नहीं होता है

कुछ लोगों को इस अवस्था से अपनापन महसूस होता है और वह इस अवस्था में खुद को सम्माननीय और शक्तिशाली महसूस करते हैं तथा इसी अवस्था में बने रहना चाहते हैं और इसी मानसिक बीमारी को जीवन का हिस्सा समझ लेते हैं तथा इससे हमेशा जुड़े रहते हैं

6.ज्योतिष विज्ञान कितना सच है

हमें अक्सर फिल्मों में कहानियों में यह बताया जाता है कि कैसे हमारी तकदीरों का खेल होता है चंद हाथ की लकीरें हमारी किस्मत तय करती हैं

ज्योतिष विज्ञान दावा करता है कि वह भविष्य को देख सकते हैं तथा तारीख को समझकर आपका भविष्य बता सकते हैं

ज्योतिष कहता है कि कुछ काम उसके हिसाब से करने से व्यक्ति धनवान , शक्तिशाली बन सकता है

ज्योतिष विज्ञान को कुछ पढ़े-लिखे लोग मानते तथा उसका समर्थन करते हैं

पुराने समय में लोग जब आंधी तूफान आते थे तो मानते थे कि इसका संचालन स्वर्ग से होता है जब भी किसी निश्चित समय में राजा की मृत्यु हुआ करती थी तो लोग उसी समय को दोबारा देख कर डर जाते थे कि कहीं राजा की मृत्यु दोबारा ना हो जाए इसी से शुभ अशुभ का चक्कर शुरू हो गया और इसी तरह सूर्य, चंद्र ग्रहण धूमकेतु आदि ग्रहों को देखकर मनुष्य ने उसी के हिसाब से अपनी किस्मत करना शुरू कर दिया

मनुष्य ने अपने भाग्य का निर्धारण सूर् तथा चंद्र के चक्कर लगाने से प्रभावित होना समझ लिया

मनुष्य ने यह धारणा बनाने की सितारों के अनुसार उन्हें सजा मिल रही है इसी तरह ज्योतिष का जन्म हुआ .....

क्या ग्रहों का हमारे जीवन से कोई संबंध है या हमारी जीवन की तारीख से किसी ग्रह या धूमकेतु का किसी अन्य प्रकार से संबंध है आइए इसको जानते हैं

क्या ज्योतिष हमारा भविष्य बदल सकता है या भविष्य को जान सकता है

क्या ज्योतिष की सभी भविष्यवाणियां सत्य साबित होती है या फिर ज्योतिष झूठ बोलता है

ज्योतिष किसी भी प्रकार से विज्ञान के मायने में खरा नहीं उतरता

क्या जब कोई भूकंप या तूफान आता है तो उस में मरने वालों की राशि तथा जन्म की तारीख , नक्षत्र क्या सब एक ही थे जो सब साथ में मारे गए

ज्योतिष आपकी हाथ की रेखाओं से आपका भाग्य बताता है तथा जन्म की तारीख से आपका अच्छा या बुरा बताता है वह बताता है कि आपके जीवन में विवाह योग है या नहीं या फिर संतान योग है या नहीं आपको जीवन में सुख मिलेगा या नहीं संतान का सुख मिलेगा या नहीं आपकी संतान लड़का होगा या लड़की होगी संतान होंगी तो कितनी होगी यह सब वह पहले ही बता सकते हैं इन्हें यह भी बताना चाहिए

देश दुनिया में अलग-अलग धर्मों के लोग हैं तथा अनेक जातियों के लोग हैं विवाह की लकीरे सभी के पास है तो फिर केवल हिंदू ही क्यों अपनी विवाह योग जानने के लिए उत्सुक रहते हैं

जबकि मुस्लिम चार चार शादियां कर लेते हैं क्या मुस्लिमों के हाथों में चार बीवियों की रेखाएं हैं किसी हिंदू का मंगल लटक जाए तो उसका विवाह रुक जाता है पर क्यों किसी दूसरे धर्म वाले का मंगल क्यों नहीं लटकता कभी

हिंदू एक पत्नी के लिए तरसता है और कोई मौलाना चार पत्नी लिए घूमता है

क्या ज्योतिष विद्या सिर्फ हिंदुओं के लिए है या मुसलमानों के लिए भी है क्या सिर्फ हिंदुओं का मंगल भारी होता है या फिर अन्य धर्मों के लोगों का भी होता है
अगर यह किसी बुद्धिमान का विधान है तो इसे सब पर लागू होना चाहिए क्यों यह केवल एक धर्म के लोगों पर ही क्यों लागू होती हैं

7.चमत्कार सच या छलावा

क्या आप चमत्कार में विश्वास करते हैं
क्या आपके आसपास कोई तांत्रिक या बाबा
चमत्कार करने का दावा करता है

आपने सुना होगा किसी बाबा ने सोने की चेन निकाल दी तथा मन की बात जान ली

अगर कोई बाबा यह दावा करता है कि मैं आपके दुख दूर कर सकता हूं आपके मन की बात जान सकता हूं तो उसे तो राह चलते लोगों की मदद करनी चाहिए तथा देश के हर एक कोने में लोगों की समस्याएं हल करनी चाहिए

पर वह ऐसा कभी नहीं करते वह अपनी एक दुकान खोल लेते हैं फिर इसमें अपना धंधा शुरू कर देते हैं वह अपने आप को दिव्य शक्तियों का मालिक समझते हैं पर ऐसा कुछ भी नहीं होता है अगर कोई बाबा यह दावा करता है कि उसके पास दिव्य शक्तियां है तो उन्हें उन संस्थाओं की चुनौतियां स्वीकार करनी चाहिए जो संस्थाएं दावा करती है की दिव्य शक्तियां नहीं होती तथा उन संस्थाओं में इनाम भी रखे गए हैं

अखिल भारतीय अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति यह दावा करती है कि जो भी व्यक्ति दिव्य शक्ति होने का दावा करता है वह उसकी संस्था में आकर अपने चमत्कार का प्रदर्शन करें या संस्था उसको इनाम के तौर पर करोड़ों रुपए देगी तथा उसके उसकी दिव्य शक्तियों का डंका पूरी दुनिया में बजेगा बस उसे कुछ चुनौती स्वीकार करनी होगी तथा उसे पूरा भी करके दिखाना होगा

कि जो दिव्य शक्तियां तथा चमत्कार दिखाएगा उसे इनाम दिया जाएगा ज्यादा उसको देखो शक्तियों का मालिक समझा जाएगा

पर कोई भी बाबा या ओझा आज तक इस चुनौती को स्वीकार नहीं किया है

अमेरिका में एक संस्था है जिसका नाम James Randi Foundation है यह संस्था दावा करती हैं कि यदि कोई व्यक्ति उन्हें भूत प्रेत जैसी चीजों का

सबूत देता है या भूत प्रेत को प्रमाणित कर देता है तो उसे करोड़ों रुपए का इनाम दिया जाएगा

अगर किसी व्यक्ति के पास दिव्य शक्तियां आ भी गई है तो उसे लोगों की सेवा तथा समाज सेवा करनी चाहिए ना कि अपनी दुकान खोल लेनी चाहिए और धर्म के नाम पर लोगों को लूटना शुरू कर देना चाहिए

कोई बाबा यह दावा करता है कि वह गंभीर बीमारियों को ठीक कर सकता है तो हमें अस्पतालों से डॉक्टर को हटा देना चाहिए

आज बस स्टैंड के पीछे तांत्रिकों की जगह आपके वेबसाइट पर पहुंच गई हैं

यह बाबा अक्सर हमें साइंस के नाम पर उल्लू बनाते हैं तथा साइंस का हवाला देकर गलत चीजों को प्रदर्शित करते हैं

प्रेम

प्रेम क्या है ???

वैसे प्रेम तो माता-पिता ,बच्चे तथा पिता, माता तथा पुत्र आदि के बीच में भी होता है पर आज हम सिर्फ स्त्री और पुरुष के बीच होने वाले प्रेम जो आकर्षण होता है उसकी बात करेंगे

प्रेम क्या है इसको लेकर वर्षों से बहस चली जा रही है परंतु प्रेम क्या होता है इस तत्व को बहुत कम लोग जानते हैं

वास्तविक प्रेम को जानना बहुत दुष्कर है क्योंकि हम आकर्षण को प्रेम समझ लेते हैं फिर वही गड्ढे में गिर जाते हैं और अपना नुकसान कर बैठते हैं

हम किसी स्त्री या पुरुष को देखते हैं तुरंत ही हम उस पर दावा कर देते हैं कि हमें उससे प्रेम हो गया है परंतु वह आकर्षण होता है जो कुछ अल्प क्षणों तक रहता है फिर नष्ट हो जाता है

हम कहते हैं We Fall In Love कहीं ना कहीं यह बात सत्य जान पड़ती है क्योंकि प्रेम में व्यक्ति गिरता ही है

हम देखते हैं लोग उस व्यक्ति को नहीं प्रेम करते जिस पर दावा करते हैं अथवा उस व्यक्ति से संबंधित चीजों को चाहते हैं

एक लड़का एक लड़की को प्यार नहीं करता वह उसकी रेशमी बालों को चाहता है, उसकी झील जैसी आंखों को चाहता है, उसकी सुंदरता से प्रेम करता हैं

वह लड़का उसकी मासूमियत तथा मजाक करने वाली हरकत से प्रेम करता है, उसकी मुस्कुराहट को चाहता है, उसके धन से प्रेम करता है

इसी तरह लड़की पुरुष के सुडौल शरीर बुद्धिमता आदि को पसंद करती है ना कि उस व्यक्ति को

इस संसार में लोग स्त्री या पुरुष की धन संपत्ति, सुंदरता, पद, प्रतिष्ठा आदि से प्रेम करते हैं ना कि उस व्यक्ति से

जब भी कोई स्त्री या पुरुष अन्य किसी स्त्री या पुरुष को बोलता है कि मैं तुमसे प्रेम करता हूं इसका दूसरा अर्थ है कि मैं तुम को पाना चाहता हूं इस्तेमाल करना चाहता हूं

संसार में लोग व्यक्ति से संबंधित चीजों से प्रेम करते हैं इसीलिए लोग अच्छा, सुंदर, सुडौल, आकर्षित बनना चाहते हैं जिससे लोग आकर्षित हो उससे प्रेम करने लगे

इसीलिए लोग इत्र लगाते हैं अन्य स्त्री या पुरुष को आकर्षित करने के लिए उसको यह उम्मीद होती है कि इस खुशबू को पसंद करते करते अन्य स्त्री और पुरुष को उससे प्रेम हो जाएगा

संसार में स्त्री पुरुष का पहला प्रेम होता है तब दे गाना गाते हैं परंतु जब उस स्त्री या पुरुष से संतुष्ट हो जाते हैं उसकी बातों को सुन सुनकर पक जाते हैं तो फिर उससे दूर हो जाते हैं और फिर किसी अन्य स्त्री या पुरुष से संबंध बनाते हैं और यही क्रम इसी प्रकार चलता रहता है

लड़के तथा लड़की के बीच प्रेम जैसा कुछ नहीं होता यह बस आकर्षण होता है

कुछ लोग कहते हैं प्रेम तो आत्मा का आत्मा से मिलन होता है यह सब कहने की बात होती हैं शारीरिक संबंध के बाद प्रेम की शिद्दत नीचे गिर जाती है

सारा प्रेम शरीर तक सीमित है क्योंकि आपके प्रेम का पैमाना सिर्फ शरीर तक ही सीमित है किसी स्त्री का रंग गोरा है तो आप समझ लेते हो कि यह स्त्री प्रेम करने के योग्य है किसी स्त्री का रंग सावला है तो आप उसे नकार देते हो

आपको प्रेम सिर्फ सुंदर लड़की से होता है असल बात तो यह है कि प्रेम सिर्फ चमड़ी तक ही सीमित है

अधिकतर लड़कों का तो यह उद्देश्य ही रहता है कि किसी लड़की की चमड़ी को खरोच ले उससे अपने शारीरिक संबंध बना ले

लोग प्यार के नाम पर शारीरिक संबंध स्थापित करना चाहते हैं और आप से बोलते हैं मुझे आपसे प्यार है

इसका मतलब यह नहीं कि उसको आपसे प्यार है उसको तो आपकी शरीर से प्रेम है आपके शरीर को पाना चाहता है और उससे खुद को संतुष्ट करना चाहता है और इसी को वह प्रेम का नाम दे देता है

इस बात को हम स्वीकार करना चाहे या ना करें लेकिन यह बात छुप नहीं सकती की प्रेम शरीर से ही शुरू होता है और शरीर पर ही खत्म हो जाता है

क्या तुम सुंदर लड़की के प्रति आकर्षित होते हो ?

किसी भी विपरीत लिंग की ओर आकर्षित होना कोई बेकार बात नहीं है या तो संसार में होता है चला रहा

है कि नर मादा की ओर आकर्षित होता है तथा मादा नर की ओर आकर्षित होती है
नर का मादा के प्रति तथा मादा का नर के प्रति आकर्षित होना एक स्वाभाविक गुण और प्राकृतिक गुण भी है

अब समस्या यहां उत्पन्न होती है जब आप इस स्वभाव से परेशान होने लगते हो तथा आकर्षित होने लगते हो एक दो बार होना प्राकृतिक है परंतु बार-बार आकर्षित होने से आपके जीवन पर प्रभाव पड़ने लगता है

यह कैसे होता है आइए इस बात को समझते हैं

आप बैठे हो ट्यूशन में, कोचिंग में या फिर क्लास में हो आपकी दोस्त की कोई दोस्त हो हमें दूर से प्यार हो जाता है हम उस लड़के या लड़की को जानते भी नहीं है फिर भी हम घोषणा कर देते हैं कि यह मेरा प्यार है आज से दुनियाभर में ढिंढोरा पीट देते हैं यह

मेरा प्यार है कहीं दिखती है तो दोस्त आप को बुलाता है और आप गधे की तरह भाग के जाते हो उसको देखने के लिए और वहां उसको देख रहे होते हो

समझते हैं कि यह हो क्या रहा है? और क्यों हो रहा है ?

आपकी लाइफ में एक इमोशनल नीड है जो सब की लाइफ में होती है आप चाहते हो कि आपकी लाइफ में प्यार हो GF या BF हो यह young age से ही आ जाती है फिर आप चाहते हैं कि मेरे पास GF हो बहुत से लड़कों के अंदर आशिकी की इच्छा होती है

आपने प्यार क्या है यह तो फिल्मों से सीख लिया पर आप प्यार करने वाला ढूंढ रहे हो

आपका ग्रुप है उसमें किसी के पास GF है आप देखते हो और बोलते हो यार इसका सही है आपको अच्छा

लगता है उसको देखते हो आप भी मन में ही कामना करते हो

पहली बात यह कि भावना आ कहां से रही है यह आपके अंदर से और बाहर से दोनों जगहों से आ रही है Sex एक Reason है पर main reason नहीं है उसके पीछे Emotional Reason, Romantic Reason , Curiosity उसकी भी एक reason है क्योंकि आप उस चीज को फील करना चाहते हो

फिर आपका अगला कदम होता है कि लड़की से बात हो जाए इसी तरीके से
हमारा मन यह मानने लगता है कि GF मिलने के बाद सब ठीक हो जाएगा

अब आप उस लड़की को crush मान लिए हो पर सच में आपको उसके बारे में कुछ भी जानकारी नहीं है आपने सिर्फ उसके बारे में दूसरों से सुना है आपने उससे कभी 10 मिनट बात भी नहीं की और आपको नहीं पता कि वह समझदार है या नहीं, खुद से निर्णय

लेती है या नहीं उसके अंदर मैच्योरिटी कितनी है इन सब बातों से आपको कोई मतलब नहीं बस आपको पता है कि आप को उससे प्यार हो गया है और आज से आपने उस पर अपना ठप्पा लगा दिया है कि वह आप की जागीर है बस

आपने उसको अपने सर पर चढ़ा दिया है फिर बाद में आपको जब पता चलता है कि असल मैं यह तो मेरे लायक नहीं है आप उदास हो जाते हो

आप अपनी फीलिंग को रोक नहीं सकते पर इसे नियंत्रित जरूर कर सकते हैं

आप अपने से सवाल कीजिए कि मैं कहां हूं ?और मुझे क्या करना चाहिए मेरे लाइफ उद्देश्य क्या है मैं इस समय कर क्या रहा हूं ?

आपका दिमाग घूम रहा है और आप खुश हो रहे हो वाह मजा आ रहा है आप इस बात को स्वीकार करो

कि हां मैं आकर्षित होता हूं पर इस समय मेरा उद्देश्य क्या है ?

क्या पूरा दिन लड़कियों के बारे में सोचते रहते हो?

लड़कों की समस्या होती कि जब भी वह पढ़ाई कर रहे होते हैं तब उनके दिमाग में लड़कियों का ख्याल चल रहा होता है वह तुम्हारी गर्लफ्रेंड हो सकती है या फिर तुम्हारी क्रश हो सकती है, तुम्हारी एक्स गर्लफ्रेंड हो सकती है तुम सोचते रहते हो कि तुम्हारा प्यार उसके लिए कितना सच्चा है तुम्हारी किताब खुली है सामने पर तुम यह सोच रहे थे जब तुम्हारी शादी होगी तो क्या होगा तुम्हारे बच्चे होंगे तो क्या

होगा उनका नाम क्या होगा हम जब date पर जाएंगे तो कैसे लगेंगे मै उसको पा के रहूंगा यह सब बकवास बातें आपके दिमाग में चलती रहती हैं

आप यह सोचते कि बताओ मुझे तो पढ़ना है लेकिन मैं पढ़ ही नहीं रहा यह फालतू की बात सोच रहा हूं आप कहते ही लड़की ने मुझे दीवाना बना दिया पागल कर दीया है

इस बात को आप negative attitude के हिसाब से मत देखो इसको आप positive attitude से देखो आपका उद्देश्य है वह लड़की जिसकी वजह से आप पढ़ नहीं पा रहे हो

वह आपको तभी मिलेगी जब आप अपने जीवन में कुछ मुकाम हासिल कर लेते हैं सफल होते हो या आप स्तर बढ़ता जाता है तब वह लड़कियों को सकारात्मकता के नजरिए से दिखती है और यदि आप यह सोचते हो कि मैं उस लड़की के लिए सब कुछ कर सकता हूं उस लड़की के लिए पढ़ाई छोड़

सकता हूं तो यह बात उन लड़कियों को बहुत ही नकारात्मकता की नजरिया से लगती है

अगर आपकी बातें सारा दिन होती है तो आप एक दूसरे की जिंदगी तबाह कर रहे हो क्योंकि आपको भी पता है ना आप उसका जीवन चला सकते हो ना वह आपका जीवन चला सकती है सच है कि तुम्हारी औकात अभी कुछ नहीं है

लड़कों की सफलता उनकी जीविका चलाने के लिए होता है परंतु लड़कियों की सफलता उनकी व्यक्तिगत सफलता होती है तो लड़कियां अगर सफल नहीं हो पाती तो उसमें कोई समस्या नहीं है पर लड़कों को सफल होना पड़ेगा अगर उनको अपनी जीविका चलानी है तो

लड़कियों के बारे में सोचना बंद कर दो अपने करियर पर फोकस करो क्योंकि जब आपको सफलता नहीं मिलेगी तो वह लड़की भी आपको छोड़कर चली

जाएगी और वह लड़की इस बात का दोष आपको ही देगी कि आपने ही अपना कैरियर नहीं बनाया

गर्लफ्रेंड ना होने की वजह से उदास हो

लड़की को ना होना जिंदगी में कि तीन-चार उत्तर हो सकते हैं

पहला किसी से पटी नहीं
दूसरा चाहिए ही नहीं क्योंकि हम सब के लड़के हैं
तीसरा हमें अपने करियर पर फोकस करना

हम दूसरों का गर्लफ्रेंड देख कर खुद को हीन भावना में महसूस करते हैं और दुखी हो जाते हैं दूसरे के पास

गर्लफ्रेंड है हमारे पास नहीं है इसको लेकर लोगों को शर्म आती है लोगों को लगता है गर्लफ्रेंड को वस्तु है कोई वस्तु नहीं होती है कि इंसान है और हमें लगता है बस दो-चार लाइन बोलो गर्लफ्रेंड बना लो

लोग यह नहीं सोचते गर्लफ्रेंड बनाने से होगा क्या आप उसको अपने जिंदगी की इमोशनल कंट्रोल , समय दे रहे हैं आप उसको यह भी अधिकार दे देते हो कि वह आपको जब भी चाहे खुश या दुखी कर सकती हैं आप अगले इंसान को अपनी जिंदगी अधिकार दे देते हैं आपको यह सोचना चाहिए कि आपको जब किसी को गर्लफ्रेंड बनाओगे तो आप उसको अपनी जिंदगी का आधा कंट्रोल दे देंगे

अब वो इंसान आपको दुखी कर सकता है खुशी कर सकता है डिप्रेशन में डाल सकता है
लड़कों को लगता है आशिकी करेंगे गर्लफ्रेंड बनाएंगे मजा करेंगे आपको अपने दोस्तों के सामने अपनी इज्जत बनाना है की आपके पास एक गर्लफ्रेंड है

आप कभी खुद से ही नहीं पूछते गर्लफ्रेंड बनानी है क्यों कारण क्या है

आप नहीं बाहर घूमने जाते तो आप देखते हो कि लोगों के पास गर्लफ्रेंड है तो आप का भी मन करता है गर्लफ्रेंड बनाने को उनको दूर से उनको देख रहे हो आपको उनकी असलियत नहीं पता है आप उनके जीवन के बारे में एक परसेंट भी नहीं पता है पर आपको लगता है कि आपको देखकर लगता है कि आपके पास भी होनी चाहिए आपको दूर से देखकर ऐसा लग रहा है जो दूर से दिखता है ना वह होता नहीं है

अब आप समझो की गर्लफ्रेंड बनाने वाले रो रहे हैं डिप्रेशन में चले गए हैं खुद को संभाल नहीं पा रहे हैं मर रहे हैं जहर खा के, जिंदगी तबाह हो रही है कॉलेज छोड़ दे रहे हैं, खाना पीना छोड़ दे रहे

आप समझो कि आप गर्लफ्रेंड बनाने के चक्कर में अपना कैरियर दांव पर लगा रहे हो इसलिए आपको गर्लफ्रेंड नहीं बनाना चाहिए उस उम्र में जब आपका फोकस आपके कैरियर पर हो

प्यार एक कहानी

जितने भी लोग प्यार के लिए तरस रहे हैं चाहते कि प्यार मिल जाए लड़की मिल जाए कोई गर्लफ्रेंड बन जाए किसी लड़की से प्यार हो जाता है फिर वह

चिल्लाने लगता है कि भाई आज से यह तुम्हारी भाभी है ना तुमने उसे उससे कभी बात की ना बात करने की कोशिश की न उसके बारे में कुछ पता नहीं है ना उसके आगे का पता है ना उसके पीछे का पता है बस देखा और तुम्हें प्यार हो गया इसके बाद आप अपनी फीलिंग को उसमें घुसाने लगते हो बस अपनी फीलिंग घुसा देना है लड़की के अंदर चाहे वह मिले या ना मिले पर

तुम्हारा और उसका कुछ मैच हो ना हो पर नहीं हमें तो बस प्यार है फिर तुम्हारा अगला कदम होता है उससे बात हो जाए किसी तरीके कहीं से भी facebook से, whatsapp नंबर मिल जाए, instagram आईडी मिल जाए उसके रिश्तेदारों की प्रोफाइल खोल रहे हो फेसबुक में फोटो मिल गई तो देख रहे हो सोच रहे हो बताओ कितनी सुंदर है मोटी हो गई पतली हो गई वह इंसान आपका नाम तक नहीं जानता वाह अपनी जिंदगी जिए जा रहा है आप उसकी जिंदगी में घुस के देख रहे हो कि वह किन से मिलता है उसके दोस्त कितने हैं वह क्या करता है कितने टाइम पर कहां जाती है अब आप उसके घर

जा रहे हो उसके घर का चक्कर लगा रहे हो दोस्तों से संपर्क कर रहे हो बस किसी तरीके से बात हो जाए इसी चक्कर में लगे हुए हो फिर कहीं कभी संयोग से आपकी और उसकी बात होती है तो आप उसको बताते हो कि मैं तुम्हें प्यार करता हूं तो वह आपको बताती है मैं तो तुम्हारा नाम तक नहीं जानती प्यार कहां से आ गया इसमें तब आपको बहुत चोट लगती है आपने इतना समय बर्बाद कर दिया उसके पीछे

अधिकतर लड़कों के साथ ऐसा ही होता है अपना समय खराब करते हैं और बाद में पछताते हैं